

नई दिल्ली। मुख्यालय आबू के अकाउंट विभाग और फाइनेंस फ्रेटरनिटी सेवा विंग के पदाधिकारियों की टीम ने महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से सौजन्य मुलाकात करने के पश्चात् समूह चित्र में साथ है ब्रह्माकुमारीज़ संस्था के सेक्रेटरी और फाइनेंस फ्रेटरनिटी सेवा विंग के वाइस चेयरमैन ब्र.कु. ललित,सीए, विंग की नेशनल कोऑर्डिनेटर ब्र.कु. ईशिता तथा अन्य अकाउंटस् डिपार्टमेंट के ब्र.कु. भाई-बहनें।



रांची-झारखंड। 10 करोड़ नशा मुक्ति प्रतिज्ञा महाअभियान के चैप्टर रिलीज करने के पश्चात् राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. निर्मला दीदी। मौके पर उपस्थित रहे डॉ.नितिन मदन कुलकर्णी,भा.प्र.से.,प्रधान सचिव,राज्यपाल, प्रो.डॉ.सरोज शर्मा,वी. सी. विश्वविद्यालय, प्रो.डॉ. राजीव मनोहर,वी.सी.,डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय, प्रो.डॉ. एसपी दुबे,वी.सी. बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, प्रो. डॉ. डी.के.सिंह,वी.सी. टेक्नोलॉजिकल विश्वविद्यालय तथा अन्य।



हरिनगर-नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को उनके कार्यालय में रक्षासूत्र बांधने के पश्चात् ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ सिक्योरिटी सर्विसेज विंग वाइस चेयरपर्सन राजयोगिनी ब्र.कु. शुक्ला दीदी। साथ हैं ओआरसी निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी, ब्र.कु. सारिका, ब्र.कु. फलक तथा अन्य।

धनतेरस : इस बार अपने लिए भी कुछ खरीदें...

धनतेरस का नाम सुनते ही हमारे मन में क्या आता है? बाजार, खरीदारी, सोना-चाँदी, नए बर्तन और घर में आने वाली नई वस्तुएं। हम सोचते हैं कि धनतेरस के दिन कुछ नया खरीदना शुभ होता है। बिल्कुल, खरीदिए। अपनी आवश्यकता और सामर्थ्य के अनुसार जरूर खरीदिए। लेकिन आज मैं आपसे एक छोटी-सी बात पूछना चाहता हूँ - हम हर साल घर के लिए कुछ नया खरीदते है, क्या इस धनतेरस अपने लिए भी कुछ नया खरीदेंगे? जरा सोचिएगा!



धनतेरस का सुंदर संदेश

दीपावली के पाँच दिवसीय उत्सव की शुरूआत धनतेरस से होती है। कार्तिक कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी को यह पर्व मनाया जाता है। परंपरा के अनुसार इस दिन भगवान धन्वंतरि का प्राकट्य अमृत कलश के साथ हुआ था। इसलिए धनतेरस का संबंध केवल धन से नहीं, बल्कि आरोग्य और स्वस्थ जीवन से भी है।

हम धन को अक्सर पैसा, संपत्ति और सोना-चाँदी मान लेते हैं। लेकिन अगर किसी के पास बहुत धन है और स्वास्थ्य नहीं है, मन की शांति नहीं है, परिवार में प्रेम नहीं है, तो क्या वह वास्तव में सुखी और समृद्ध है? इसलिए धनतेरस हमें एक बहुत सुंदर बात सिखाती है- स्वास्थ्य धन है, शांति धन है, संतोष धन है और अच्छे संबंध भी धन हैं।

खरीदारी की परंपरा

इस दिन सोना, चाँदी, आभूषण, नए बर्तन और धातु की वस्तुएं खरीदने की परंपरा है। आज लोग अपनी जरूरत के अनुसार वाहन, इलेक्ट्रॉनिक सामान और घर की उपयोगी वस्तुएं भी खरीदते है। नई वस्तु घर में आती है तो हमें खुशी होती है। लेकिन इस बार एक सवाल अपने मन से जरूर पूछें - मेरे जीवन में नया क्या आ रहा है?

क्या मैं अपने पुराने क्रोध को छोड़ रहा हूँ?

क्या मैं शिकायत की जगह संतोष ला रहा हूँ?

क्या मैं नकारात्मक विचारों की जगह शुभभावना ला रहा हूँ?

अगर ऐसा कर रहे हैं, तो समझिए आपने वास्तव में धनतेरस मनाई।

घर की सफाई, मन की सफाई

धनतेरस और दीपावली पर हम घर की सफाई करते हैं। पुराना सामान निकालते हैं, घर को सुंदर बनाते हैं और दीप जलाते हैं। लेकिन आध्यात्मिक दृष्टि से एक और सफाई जरूरी है- मन की सफाई।

हमारे मन में भी कितना कुछ जमा रहता है- पुरानी नाराज़गी, किसी के प्रति शिकायत, ईर्ष्या, क्रोध, चिंता और व्यर्थ विचार। जैसे घर का कचरा निकालते हैं, वैसे ही मन का कचरा भी निकालना होगा। घर साफ होगा तो घर सुंदर लगेगा, मन साफ होगा तो जीवन सुंदर लगेगा।

असली धन कौन-सा है?

आध्यात्मिक दृष्टि से देखें तो आत्मा की असली संपत्ति उसके मूल गुण हैं- ज्ञान, पवित्रता, प्रेम, सुख, शांति, आनंद और शक्ति।

सोना-चाँदी बाहर की संपत्ति है, लेकिन शांति और संतोष भीतर की संपत्ति है। बाहर का धन परिस्थितियों के साथ बदल सकता है, लेकिन भीतर का धन जीवन की हर परिस्थिति में हमारा साथ देता है। इसलिए धनतेरस पर कुछ क्षण अपने लिए निकालें। शांत होकर बैठें और अनुभव करें - " मैं आत्मा हूँ...शांत स्वरूप हूँ....पवित्र स्वरूप हूँ... परमपिता परमात्मा शिव की संतान हूँ।"

इस धनतेरस एक संकल्प

तो आइए, इस बार घर में नई वस्तु लाने के साथ अपने जीवन में भी एक नया संस्कार लाएं।

मेरा संकल्प है - मैं अपने मन को व्यर्थ और नकारात्मक विचारों से मुक्त रखूँगा। मैं शांति, प्रेम, संतोष और शुभभावना को अपनी वास्तविक संपत्ति बनाउंगा, मैं स्वयं सुखी रहूँगा और अपने व्यवहार, वाणी और संकल्पों से दूसरों को भी सुख और शांति देने का प्रयास करूँगा।

क्यों न इस धनतेरस पर हम यही संकल्प करें- "घर में धन आए, लेकिन मन में शांति रहे; जीवन में समृद्धि आए, लेकिन साथ में संतोष और शुभभावना भी बढ़े।"

यही है सच्ची धनतेरस - भीतरी समृद्धि के दीप जलाएं और दिव्य गुणों की खुशबू फैलाएं।



हरिनगर-नई दिल्ली। सिक्योरिटी सर्विसेज विंग द्वारा राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज में 'संपूर्ण स्वास्थ्य और कल्याण' विषय पर आयोजित विशेष सत्र के पश्चात् समूह चित्र में इंटरनेशनल मोटिवेशनल स्पीकर ब्र.कु. शिवानी, ब्र.कु. सारिका, कप्तान शिव गोयल, सौंडब्ल्यूई सुंदर सिंह, एनडीसी कमांडेंट एयर मार्शल मनीष कुमार गुप्ता,एवीएसएम तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण।



नई दिल्ली। भाजपा के माननीय अध्यक्ष नितिन नबीन से उनके नई दिल्ली स्थित आवास पर स्नेह मुलाकात कर ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की सेवाओं और परियोजनाओं के बारे में जानकारी देने के पश्चात् ईश्वरीय साहित्य भेंट करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी,निर्देशिका,ओम शांति रिट्रीट सेंटर। साथ हैं ब्र.कु.विधाजी,दिल्ली क्षेत्रीय समन्वयक,प्रशासक विंग, ब्र.कु.डॉ. पूनम,स्वी योग विशेषज्ञ,सीजीएचएस।



उल्हास-उद(रूस)। राजयोग इंट्रोडक्टरी कोर्स के अंतर्गत 'प्रकाश का जागरण' विषय पर साप्ताहिक कोर्स का सफलतापूर्वक समापन होने पर केक कटिंग करते हुए ब्र.कु.माया,जुमाबाग्येवा, सेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. कतीश तथा अन्य भाई-बहनें।



मॉस्को-मायाक मीरा(रशिया)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में एक दिवसीय 'मौन धारण करने की कला' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए राजयोगिनी ब्र.कु. सुधा दीदी।





यांगोन-म्यांमार। स्वामी विवेकानंद सांस्कृतिक केन्द्र में "जब मैं बदलता हूँ,तो मेरी दुनिया बदल जाती है" विषय पर आयोजित सार्वजनिक कार्यक्रम में ईश्वरीय संदेश देते हुए राजयोगिनी ब्र.कु.जयंती दीदी। मौके पर उपस्थित रहे ब्र.कु हंसा दीदी, ब्र.कु श्रीदेवी, भारतीय दूतावास के अधिकारी, हिन्दू केन्द्रीय परिषद के सदस्य, व्यापारिक नेता, चिकित्सक तथा महिला संघ के वरिष्ठ सदस्य।